TATHASTU
Institute of Civil Services

# DAILY CURRENT AFFAIRS



## 22nd April, 2024

53/1, Upper Ground Floor, Bada Bazar Road, Old Rajinder Nagar, New Delhi -110060
www.tathastuics.com 9560300770, 9560300554 enquiry@tathastuics.com

| S.NO. | TOPIC |
|---|---|
| 1. | **वासुकि इंडिकस** |
| 2. | **वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी के लिए श्रीनगर** |
| 3. | **कृंतकनाशक (चूहे के जहर) विष के उपचार के लिए प्लाज्मा थेरेपी** |
| 4. | **पोम्पेई पेंटिंग** |
| 5. | **शोम्पेन PVGT ने पहली बार वोट डाला** |


# वासुकि इंडिकस

## चर्चा में क्यों:

- वासुकी इंडिकस को गुजरात के कच्छ में खोजा गया | यह खोज पृथ्वी के विकासवादी इतिहास पर प्रकाश डालने के कारण चर्चा में है|

## वासुकि इंडिकस के सन्दर्भ में:

- यह एक विशाल सांप का जीवाश्म है जो 47 मिलियन वर्ष पुराना है| यह प्राचीन पारिस्थितिक तंत्र में अंतर्दृष्टि का खुलासा करता है। इसका आकार टाइटेनोबोआ के बराबर है, जो प्रागैतिहासिक काल के दौरान एक महत्वपूर्ण शिकारी होने का संकेत देता है|
- दुनिया के 'सबसे बड़े सांप' का विशाल जीवाश्म के रूप में प्रदर्शित होता है|
- 'वासुकी इंडिकस' ।IT रूड़की के वैज्ञानिकों द्वारा जीवाश्म प्रजाति को दिया गया नाम है।
- जीवाश्म अवशेषों की लंबाई 10 से 15 मीटर के बीच है और ये गुजरात के कच्छ में पनांध्रो लिग्नाइट खदान में पाए गए थे|
- साँप का निवास स्थान, तट के पास एक दलदली दलदल में स्थित, वर्तमान समय की तुलना में गर्म वैश्विक जलवायु में मौजूद था।
- ऐसा माना जाता है कि 65 मिलियन वर्ष पहले डायनासोर के विलुप्त होने से लेकर लगभग 23 मिलियन वर्ष पहले मेगालोडन के उद्भव तक यह विशाल सांप सबसे दुर्जेय शिकारियों में से एक था।

## भारत के सन्दर्भ में:

- यह खोज भारत की समृद्ध जैव विविधता को रेखांकित करती है।
- इसमें विकासवादी प्रक्रिया, महाद्वीपीय बदलाव और विभिन्न प्रजातियों, विशेषकर सरीसृपों की उत्पत्ति में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका की अंतर्दृष्टि को प्रकाशित करने की अपार क्षमता रखता है।

## निष्कर्ष:

- "वासुकि इंडिकस दृढ़ता और स्थिरता का प्रतीक होता है।" यह भारत केंलिये संभावित खोज के रास्ते सामने लाती है| प्रथ्वी के निरंतर परिवर्तन और इसकी सतह के नीचे अभी भी छिपे हुए रहस्यों की एक मार्मिक स्मृति के रूप में भी कार्य करता है।

# वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी के लिए श्रीनगर

## चर्चा में क्यों:

- WCCI की तीन सदस्यीय टीम, जिसका नेतृत्व साद अल-कद्दूमी कर रहे हैं, वर्ल्ड क्राफ्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (WCCI) ने श्रीनगर को भारत के प्रतिष्ठित वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी (WCC) पदनाम के लिए संभावित उम्मीदवार के रूप में पहचाना है।

## वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी के लिए श्रीनगर ही क्यों:

- श्रीनगर को वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी के रूप में चुनने के पीछे निम्नलिखित तथ्य हैं:
  - **कारीगरी और हस्तशिल्प परंपरा:** श्रीनगर में 600 वर्षों से अधिक पुरानी सोने की कढ़ाई, कालीन बुनाई, शाल बुनाई और खड़िया बुनाई की विरासत है।
  - **विशिष्ट उत्पाद:** कश्मीरी शाल, सोने की कढ़ाई वाले वस्तुएं, पेपर माशे, और विश्व प्रसिद्ध कश्मीरी श्रीनगर कालीन श्रीनगर से निकलते हैं।
  - **प्रमुख उद्योग:** हस्तशिल्प उद्योग श्रीनगर की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है और यहां से वार्षिक रूप से लगभग 800 मिलियन डॉलर का निर्यात होता है।
  - **विश्व विरासत स्थल:** श्रीनगर शहर में विश्व धरोहर स्थलों जैसे मुगल गार्डन्स और महल शामिल हैं जो इसकी विरासत और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाते हैं।

## वर्ल्ड क्राफ्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (WCCI) के द्वारा वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी (WCC) के निर्धारित मानदंड:

- **हस्तशिल्प और कारीगरी परंपरा:**
  - शहर में कम से कम 200 वर्ष पुरानी और अनूठी हस्तशिल्प/कारीगरी परंपरा होनी चाहिए।
  - इसकी वैश्विक पहचान और मान्यता होनी चाहिए।
- **कारीगरों की संख्या और विविधता:**
  - शहर में कम से कम 5,000 पारंपरिक कारीगर होने चाहिए।
  - विभिन्न हस्तशिल्प शैलियों में कारीगरों की विविधता होनी चाहिए।
- **हस्तशिल्प उत्पादों का उत्पादन और विपणन:**
  - शहर से कम से कम 20 प्रकार के अनूठे हस्तशिल्प उत्पादों का उत्पादन और निर्यात होना चाहिए।
  - स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उत्पादों की मांग होनी चाहिए।
- **विरासत और सांस्कृतिक महत्व:**
  - शहर में हस्तशिल्प और कारीगरी से जुड़े विरासत स्थल और सांस्कृतिक झलकियां होनी चाहिए।

## श्रीनगर के हस्तशिल्प जो भारत बल्कि विश्व स्तर पर एक विशिष्ट पहचान देते हैं:

- **खड़िया बुनाई:**
  - श्रीनगर में विशेष रूप से पारंपरिक आदिवासी हंदवाड़ा समुदाय द्वारा की जाती है।
- **पेपर माशे उत्पाद:**
  - पेपर माशे श्रीनगर की एक अनूठी कला है जिसमें सूती कपड़े पर नक्काशी की जाती है। इस शैली के उत्पाद जैसे पर्स, फोटो फ्रेम, डेकोरेटिव आइटम आदि विदेशों में भी लोकप्रिय हैं।
- **कश्मीरी कालीन बुनाई:**
  - 16वीं शताब्दी में मुगल बादशाह अकबर ने कश्मीर में कालीन बुनाई शुरू कराई थी। श्रीनगर, बारामुला और श्रीनगर से आस-पास के क्षेत्रों में लाखों कालीन बुनकर हैं।

## वर्ल्ड क्राफ्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (WCCI) के सन्दर्भ में:

- एक गैर-लाभकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है |
- **स्थापना:** WCCI की स्थापना वर्ष 1964 में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) की एक पहल के रूप में की गई थी।
- **सदस्यता:** इसकी सदस्यता लगभग 135 देशों और क्षेत्रों को मिली हुई है जो हस्तशिल्प और कारीगरी गतिविधियों में शामिल हैं।
- **मुख्यालय:** WCCI का वर्तमान मुख्यालय कोलंबिया में स्थित है।

## निष्कर्ष:

- श्रीनगर की समृद्ध हस्तशिल्प और कारीगरी विरासत, वैश्विक पहचान और पर्यटन आकर्षण ने इसे वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी का संभावित उम्मीदवार बनाया है। श्रीनगर का विशिष्ट भौगोलिक सौन्दर्य भारत ही नहीं बल्कि दुनिया में प्रसिद्ध है|

# कृंतकनाशक (चूहे के जहर) विष के उपचार के लिए प्लाज्मा थेरेपी

## चर्चा में क्यों:

- वर्तमान में, राज्य के 15 जिलों के 17 सरकारी अस्पताल कृंतकनाशक से होने वाली गंभीर यकृत क्षति और तीव्र यकृत की विफलता के मामलों के इलाज के लिए प्लाज्मा एक्सचेंज के कारण चर्चा में है।

## प्लाज्मा थेरेपी के बारे में:

- प्लाज्मा थेरेपी एक मेडिकल उपचार है जिसमें किसी स्वस्थ व्यक्ति रक्त के प्लाज्मा को बीमार व्यक्ति के शरीर में डाला जाता है।
- प्लाज्मा रक्त का तरल भाग होता है जिसमें एंटीबॉडी और अन्य प्रोटीन होते हैं जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं।

## प्लाज्मा थेरेपी का अनुप्रयोग:

- **COVID-19:** यह अभी भी शोध के अधीन है कि क्या प्लाज्मा थेरेपी COVID-19 के गंभीर मामलों वाले लोगों के लिए फायदेमंद है।
- **संक्रमण:** गंभीर जीवाणु या वायरल संक्रमण वाले लोगों के लिए प्लाज्मा थेरेपी असरदार हो सकती है।
- **स्व- प्रतिरक्षित बीमारियां:** कुछ स्व- प्रतिरक्षित बीमारियों, जैसे कि गिलेन-बैरे सिंड्रोम और पॉलीएंगाइटिस नोडोसा के लिए प्लाज्मा थेरेपी एक प्रभावी उपचार हो सकती है।

## प्लाज्मा थेरेपी कार्य करती है:

- प्लाज्मा थेरेपी का विचार यह है कि बीमार व्यक्ति के शरीर में एंटीबॉडी और अन्य प्रोटीन डाले जाएं जो पहले से ही उस बीमारी से लड़ चुके हैं। यह एंटीबॉडी बीमार व्यक्ति के संक्रमण से लड़ने और बीमारी को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

## प्लाज्मा थेरेपी के संभावित जोखिमों:

- **एलर्जी प्रतिक्रिया:** प्लाज्मा से एलर्जी प्रतिक्रिया हो सकती है।
- **संक्रमण:** प्लाज्मा दूषित हो सकता है और संक्रमण का कारण बन सकता है।

## प्लाज्मा मानव शरीर में कार्य करती है:

- **संरचना:** प्लाज्मा में अधिकतर पानी (लगभग 92%) होता है, लेकिन इसमें महत्वपूर्ण घटक भी होते हैं जैसे:
- **प्रोटीन:** इनमें एल्ब्यूमिन शामिल है, जो रक्तचाप को बनाए रखने में मदद करता है, और ग्लोब्युलिन, जो संक्रमण से लड़ते हैं।
- **इलेक्ट्रोलाइट्स:** खनिज जो मांसपेशियों और तंत्रिका कार्यों में मदद करते हैं, जैसे सोडियम और पोटेशियम।
- **पोषक तत्व:** शर्करा (ग्लूकोज), वसा और विटामिन का परिवहन प्लाज्मा में होता है।
- **हार्मोन:** ग्रंथियों द्वारा उत्पादित रासायनिक संदेशवाहक अपने लक्षित अंगों तक पहुंचने के लिए प्लाज्मा में यात्रा करते हैं।
- **अपशिष्ट उत्पाद:** कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य अपशिष्ट उत्पादों को हटाने के लिए प्लाज्मा द्वारा फेफड़ों और गुर्दे तक ले जाया जाता है।

## निष्कर्ष:

- प्लाज्मा थेरेपी से मानव जीवन को सुरक्षित करने का एक आगमी कदम हो सकता है| यह बीमारियों की रोकथाम और उनके संक्रमण की क्षमता को भी कम कर सकता है|

# पोम्पेई पेंटिंग

## चर्चा में क्यों:

- लगभग 2000 वर्षों के बाद खोजी गई ट्रॉय की हेलेन की खूबसूरत पेंटिंग के कारण सुर्खियों में है|
- यह उल्लेखनीय भित्तिचित्र शहर की राख से निकले थे, जो 79 ईस्वी में माउंट वेसुवियस(इटली) के प्रलयंकारी विस्फोट के बाद ज्वालामुखीय मलबे की परतों के नीचे दबे एक भोजन कक्ष में संरक्षित थे|
- पुरातत्वविदों ने जिसे "शानदार भोजन कक्ष" के रूप में वर्णित किया है|

## पोम्पेई पेंटिंग के प्रकार:

- **फ्रेस्को:** गीली प्लास्टर पर किए गए चित्र, जो शहर में सबसे आम प्रकार थे।
- **मोज़ेक:** छोटे पत्थरों, कांच या मिट्टी के टुकड़ों से बनी तस्वीरें।
- **एनकॉस्टिक:** मोम और राल से बने रंगों का उपयोग करके बनाए गए चित्र।

## विषय:

- **पौराणिक कथाएँ:** ग्रीक और रोमन देवताओं और नायकों की कहानियां।
- **दैनिक जीवन**: घरों, लोगों और गतिविधियों का चित्रण।
- **दृश्य:** काल्पनिक परिदृश्य और वास्तविक स्थानों का चित्रण।
- **पोर्ट्रेट:** धनी नागरिकों और परिवारों की तस्वीरें।

## प्रसिद्ध चित्र:

- **द मिस्ट्री ऑफ द वुमन ऑफ द हाउस ऑफ द वेट पेंटिंग्स:** एक महिला की पहेलियाँ भरी मुस्कान वाला चित्र।
- **द पन ऑफ द मिस्ट्री विला:** एक पौराणिक प्राणी का चित्रण।
- **द लेडी ऑफ दी गार्डन:** एक सुंदर महिला का चित्रण।

## निष्कर्ष:

- पोम्पेई पेंटिंग रोमन कला और संस्कृति का एक अनमोल खजाना हैं। वे हमें प्राचीन रोमन जीवन की एक झलक प्रदान करते हैं, जो अन्यथा खो गया होता।

# शोम्पेन PVGT ने पहली बार वोट डाला

## चर्चा में क्यों:

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पहली बार, ग्रेट निकोबार द्वीप समूह के एक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVGT) शोम्पेन जनजाति के 7 सदस्यों ने केंद्र शासित प्रदेश की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए अपने मतदान अधिकार का प्रयोग के कारण चर्चा में है।

## शोम्पेन जनजाति के सन्दर्भ में:

- **जनसंख्या:**
  - 2011 की जनगणना के अनुसार, शोम्पेन जनजाति की आबादी 300 से भी कम थी।
  - वे निकोबार द्वीप समूह के बड़े निकोबार, कच्छल, छोटा निकोबार और त्रास द्वीपों में निवास करते हैं।
- **भाषा:**
  - वे शोम्पेन भाषा बोलते हैं, जो एक अलग-थलग भाषा है जो किसी अन्य भाषा से संबंधित नहीं है।
  - कुछ शोम्पेन हिंदी और निकोबारी भी बोलते हैं।
- **जीवनशैली:**
  - शोम्पेन जनजाति अर्ध-घुमंतू है, और वे जंगलों में भोजन इकट्ठा करने और शिकार करने पर निर्भर करते हैं।
  - वे मछली पकड़ने और खेती भी करते हैं।
  - उनके घर अस्थायी होते हैं, जिन्हें वे पत्तों और लकड़ी से बनाते हैं।
- **संस्कृति:**
  - शोम्पेन जनजाति अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के लिए जानी जाती है।
  - उनके पास नृत्य, संगीत और कला की अनूठी शैलियाँ हैं।
  - वे प्रकृति के साथ गहरे संबंध रखते हैं और अपने पूर्वजों की पूजा करते हैं।
- **धर्म:**
  - शोम्पेन जनजाति प्रकृतिवाद का पालन करती है।
  - वे कई देवी-देवताओं और आत्माओं में विश्वास करते हैं।

## अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में रहने वाली अन्य जनजाति:

- **ओंगे:** लिटिल अंडमान द्वीप पर रहने वाली यह जनजाति, अपनी नृत्य और संगीत परंपराओं के लिए जानी जाती है।
- **जारवा:** दक्षिण और मध्य अंडमान द्वीपों में निवास करते हुए, यह जनजाति बाहरी लोगों के संपर्क से सबसे अधिक बची हुई है।
- **सेंटिनली:** नॉर्थ सेंटिनल द्वीप पर रहने वाली यह जनजाति, सबसे कुख्यात अंडमानी जनजाति है, जो बाहरी लोगों के प्रति अत्यधिक आक्रामक है।
- **पोह:** पोह भाषा विलुप्त हो चुकी है, और इसके केवल कुछ ही वक्ता शेष हैं।
- **निकोबारी:** यह निकोबार द्वीप समूह में सबसे बड़ी जनजाति है, जो विभिन्न द्वीपों में फैली हुई है।

## निष्कर्ष:

- शोम्पेन जनजाति अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के रक्षक, अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के साथ, बाहरी खतरों से जूझ रहे हैं। अनेक संकटों के बाद भी यह जनजाति अपनी अनूठी विशेषता के लिए प्रसिद्ध है|